>

Title: Need to provide financial assistance to the differently abled persons in the country for purchasing helpful accessories for them and their treatment.

श्री दत्ता मेघे (वर्धा): सभापति महोदय, मैं एक अत्यंत लोक महत्व का प्रश्न शून्य काल में उठाना चाहता हूं। भारत में विकलांगों की समस्या की ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। विकलांगों के प्रति हमारे समाज के प्रति परम्परागत व्यवहार दया का रहा है। उन्हें परोपकार का पात्र माना जाता है। जिस कारण विकलांगों के आत्म सम्मान को ठेस पहुंचती है और उनका सारा जीवन कठिनमय हो जाता है। विकलांगों की भी सामान्य इच्छाएं होती हैं, जैसे स्कूल जाना, विवाह रचना और मनोरंजन करना। लेकिन अधिकांश विकलांग इन सामान्य बातों से वंचित रह जाते हैं। विकलांगों के जीवन को सहज बनाने के लिए सरकार और परिवार की मदद से सहायक उपकरण और सर्जरी एक सामान्य तरीका है। लेकिन गांवों में रहने वाले लोग इतनी राशि खर्च नहीं कर सकते। केन्द्र और राज्य सरकारों की अनुदान और मदद से कुछ फर्क जरूर पड़ा है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है। देश में लगभग सात करोड़ विकलांग हैं। उनमें से मात्र दो प्रतिशत ही शिक्षित हैं। इनके बेरोजगारी के आंकड़े और भी चिंतनीय है। इसलिए इस गम्भीर समस्या पर सरकार को उचित कदम जल्द से जल्द उठाने की आवश्यकता है। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि विकलांगों को सहायक उपकरण और सर्जरी के लिए 100 प्रतिशत मदद का प्रावधान करना चाहिए, ताकि वे सामान्य और सहज जीवन व्यतीत कर सकें।

MR. CHAIRMAN : Shrimati Botcha Jhansi Laskhmi is allowed to associate with the matter raised by Shri Datta Meghe.